उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् बालक-बालिकाओं के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन

शोधपत्र-शिक्षा

* कु. चंचल सोनी ** डॉ. मनोज मनोरमा *** श्रीमती पारुल सिंह चौहान

प्रस्तुत शोध–पत्र में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् बालक बालिकाओं के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षणिक उपलिब्ध पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। उक्त शोध हेतु 11 वीं कक्षा के 50 बालक व 50 बालिकाओं को न्यादर्श हेतु चुना गया । प्रस्तुत शोध हेतु शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों का पूर्व परीक्षा (कक्षा 10 वीं) परिणाम का प्रयोग उपकरण के रूप में किया गया। परिणाम के आधार पर बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। बाल्यकाल मानव जीवन की प्रारंभिक अवस्था है जिसमें व्यक्ति की समस्त शारीरिक एंव मानसिक क्षमताओं का अर्विभाव प्रस्फुटन और विकास होता है। बाल्यकाल स्वयं व्यक्ति की दृष्टि से कम महत्वपूर्ण नहीं है, इसे जीवन का ''शिक्षण – काल'' कहा गया है।

बालकों की शैक्षिक उपलब्धि पर सबसे ज्यादा प्रभाव परिवर का पड़ता है इस प्रभाव के कई कारण हो सकतें हैं:– जिसमें प्रमुख है परिवार का आकार–छोटें परिवार में बच्चे एक या दो होते हैं जिससे उन पर अच्छी तरह ध्यान दे पाते हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि उत्तम होती हैं। परिवार का सामाजिक स्तर भी पारिवारिक संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बालक के परिवार का सामाजिक स्तर यदि बालक के साथियों के परिवार के सामाजिक स्तर से नीचा हो जाता है तब बालक आपने परिवार और पिता पर शर्म महसूस करते हैं परंतु यदि बालक के परिवार का सामाजिक स्तर अन्य साथियों के परिवार के सामाजिक स्तर से ऊँचा होता हैं तो वे अपने पिता और परिवार पर गर्व करते हैं बच्चों में ऐसी भावनाएं उनके पारिवारिक संबंधों को प्रभावित करती है जिससे उनकी शैक्षिणिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। टूटे परिवर भी बालक की शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव डालते है। परिवार में किसी व्यक्ति की मृत्यु या बलाक की अवस्था में यदि बच्चों का पालन–पोषण पिता को करना पड़े या सौतेली माँ दवारा किया गया बुरा व्यवहार किया जाए तब भी ये भावनाएं बच्चों के पारिवारिक संबंधो को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करता है तथा परिवारिक संबंध बिगड़ने से बालकों की शैक्षणिक उपलब्धि अत्याधिक प्रभावित होती है।

शोध समस्या का उद्देश्य :–इस अध्ययन का उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि बालक बालिकाओं के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षणिक उपलिब्ध पर क्या प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पनाएँ–(1) उत्तम पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षाणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं होता हैं। (2) सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं होता हैं। (3) उत्तम पारिवारिक वातावरण व सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं (सम्मिलित) की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं होता है।

विधि :– चयनित विद्यालयों से कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों का चयन करके इन्हीं विद्यार्थियों का गत वर्ष (कक्षा 10 वीं) का परीक्षा परिणाम प्राप्त किया गया। शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांकों के आधार पर गणना कर के परिणाम प्राप्त किये गये।

न्यायदर्श का चयन :– प्रस्तुत शोध अध्ययन में जबलपुर शहर के 10 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 वीं के 100 विद्यार्थियों को शोध हेतु चुना गया जिसमें 50 छात्र व 50 छात्राओं को चयनित किया गया ।

प्रयुक्त उपकरण :– पारिवारिक वातावरण मापनी परीक्षण (डॉ श्रीमति मीनू अग्रवाल)

*-** प्राध्यापिका हवाबाग महिला महाविद्यालय, जबलपुर *** शोधकर्ती हवाबाग महिला महाविद्यालय, जवलपुर

बालिका क्रमांक :–1 उत्तम पारिवारिक वातवारण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि के प्राप्रांकों के मध्यमान अंतर की सार्थकता

प्रशिक्षणार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	विचलन की त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थक्ता स्तर 0.01=2.66 0.05=2.00
उत्तम परिवारिक वातावरण के बालक	28	63.75	10.61	3.37	2.68	1.22	सार्थक अंतर नहीं हैं।
उत्तम पारिवारिक वातावरण की बालिकायें	30	60.47	9.78				

ग्राफ नं. 1

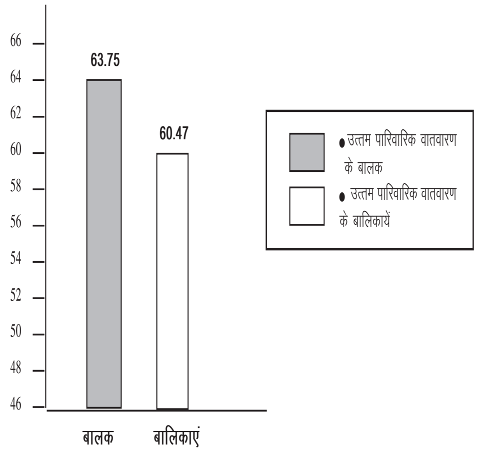

परिणाम, व्याख्या एवं विश्लेषणः–उपरोक्त तालिका क्र.1 से दृष्टव्य है कि उत्तम पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि का मध्यमान 63.75 व 60.47 है।

मानक विचलन 10.61 व 9.78 है व दोनों के मध्यमानों का अतंर 3.37 है तथा क्रांतिक अनुपात का मान 1.22 है जो कि सार्थकता स्तर 0.01 के मान 2.66 व 0.05 के मान 2.00 से बहुत कम है अतः बनायी गयी परिकल्पना '' उत्तम पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नही है'' मान्य हुई ।

परिणाम, व्याख्या एवं विश्लेषण :–उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि का मध्यमान 64.97 व 63.3 है।

तालिका क्रमांक – 2 सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि के प्राप्तांकों के मध्यमान अंतर की सार्थकता

प्रशिक्षणार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	विचलन की त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थक्ता स्तर 0.01= 2.71 0.05=2.02
सामान्य परिवारिक वातावरण के बालक	22	64.97	9.72	1.67	3.15	0.53	सार्थक अंतर नहीं हैं।
सामान्य पारिवारिक वातावरण की बालिकायें	20	63.3	10.60				

ग्राफ नं. – 2

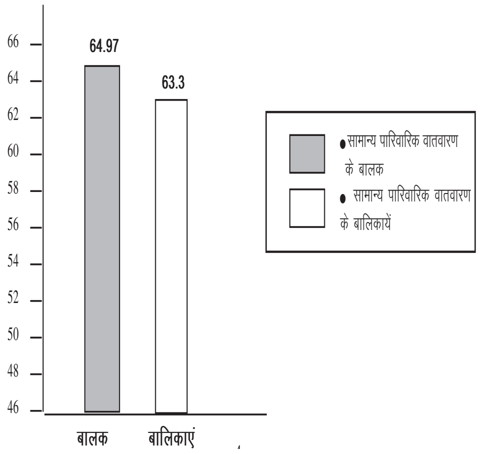

मानक विचलन 9.72 व 10.60 है व मध्यमानों का अंतर 1.67 है। तथा क्रांतिक अनुपात 0.53 है जो कि सार्थकता स्तर 0.01 के मान 2.71 व 0.05 के मान 2.02 से कम है, अतः बनायी गयी परिकल्पना ''सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षाणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं'' मान्य हुई।

पारिणाम, व्याख्या एवं विश्लेषण : उपरोक्त बालिका से स्पष्ट होता है कि उत्तम पारिवारिक वातावरण व सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं (सम्मिलित) की शैक्षणिक उपलब्धि का मध्यमान 62.11 व 64.14 है । मानक विचलन 10.19 व 10.16 है व मध्यमानों का अंतर 2.03 है तथा क्रांतिका अनुपात का मान 0.98 है जों कि सार्थकता स्तर 0.01 के मान 2.63 व 0.05 के मान 1.98 से बहुत कम हैं।

अतः बनायी गयी परिकल्पना " उत्तम पारिवारिक वातावरण व सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं (सम्मिलित) की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है "मान्य हुई।

निष्कर्ष–(1) उत्तम पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(2) सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नही पाया गया।

(3) उत्तम पारिवारिक वातवरण व सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं (सम्मिलित) की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अतंर नहीं पाया गया।

तालिका क्रमांक – 3 उत्तम पारिवारिक व सामान्य पारिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाओं (सम्मिलित) की शैक्षणिक उपलब्धि के प्राप्तांकों के मध्यमान अंतर की सार्थकता

प्रशिक्षणार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	विचलन की त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थक्ता स्तर 0.01= 2.63 0.05=1.98
उत्तम परिवारिक वातावरण के बालक व बालिकाये	58	62.11	10.19	2.03	2.06	0.98	सार्थक अंतर नहीं हैं।
सामान्य पारिवारिक वातावरण की बालक व बालिकायें	42	64.14	10.16				

ग्राफ नं. – 3

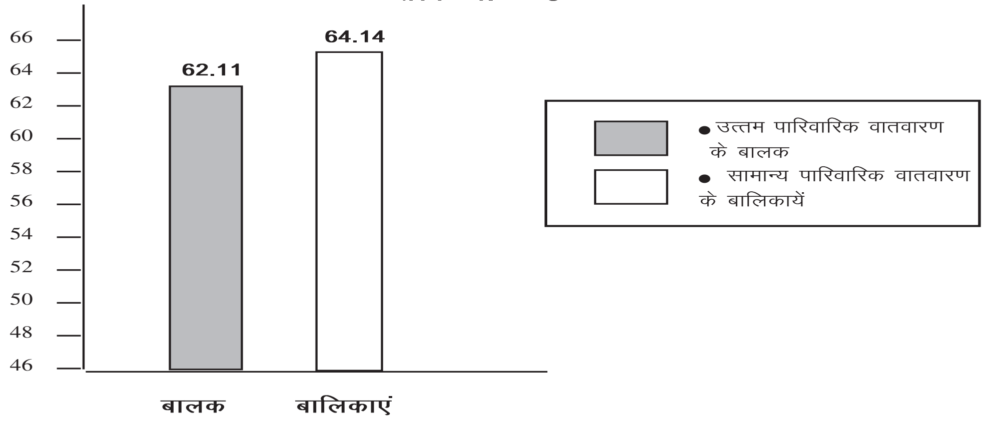

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) कपिल डॉ. एच. के – अनुसंधान विधियाँ
(2) ळंततमज भ्म्म् .ैजंजपेजपबे पद च्ेलबीवसवहल – म्कनबंजपवद
(3) ठनबी डण्ठण . थ्वनतजीैनतअमल टवसनउद . 1 . 1986
(4) सुखिया एस.पी – शैक्षणिक अनुसंधान के मूलतत्व
(5) भार्गव महेश – मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन
(6) कपिल डॉ. एच. के. – सांख्यिकी के मूलतत्व